>

Title : Exploitation of renewable energy in India.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): महोदय, मैं आपकी इजाजत से केन्द्र सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के बारे में कहना चाहता हूं। इन दोनों मिनिस्ट्रीज ने बहुत सी योजनाएं बनाई हैं और योजनाएं इसलिए बनाई कि 2012 तक पूरे हिंदुस्तान को बिजली दे दी जाएगी। मुझे अफसोस है कि हमारे अपने राज्य जम्मू-कश्मीर में आज तक नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ से एक भी प्रोजेक्ट न विंड का, न सोलर का और न ही हाइड्रो इलेक्ट्रिक बनाया गया है। मुझे इस बात का भी अफसोस है कि इन्होंने जो सोलर लाइट्स देनी थीं, एक भी मेरे संसदीय क्षेत्र में नहीं दी गई है। पूरे राज्य में हाइड्रो इलेक्ट्रिक की 20 हजार मेगावाट की गुंजाइश है। इसके अलावा सोलर और विंड अलग से हैं। मेरा कहने का मकसद है कि हमारी सरकार ने जो ख्वाब दिखाया है, उसे पूरा करना हमारा काम है, अगर इसी तरह से काम जारी रहेगा कि कोई भी प्रोजेक्ट बनकर न आया है और न मंगवाया है। न तो केन्द्र सरकार न ही राज्य सरकार ने प्रोजेक्ट तैयार किया है। मैं अपने किश्तवाड़ के एरिया में, डोडा और भद्रवा, इंद्रवाल और बनहार, इसी तरीके से बसौली, पुंछ और रजौरी के एरिया में आप देखें कि बिजली है ही नहीं है। जंगलों में इतना गहरा असर पड़ रहा है, वहां इतनी कटाई हो रही है। मेरी सरकार से विनती है कि अगर यह बिजली जो हमने प्लान की है, जो हमने योजनाएं बनाई हैं, अगर ये योजनाएं इम्पलीमेंट नहीं की, तो 2012 तक का हमारा सपना पूरा नहीं हो सकता और ये सारी योजनाएं जम्मू-कश्मीर पर भी लागू हों । ये योजनाएं बनकर नहीं आएंगी तो कब हमें बिजली मिलेगी? इसलिए मेरी विनती है कि सरकार इस मसले को बहुत गंभीरता से ले क्योंकि इस देश के हजारों-हजारों गांव अभी भी बिजली से वंचित हैं।